यह पुस्तक छत्तीसगढ़ के शिक्षकों द्वारा पढ़ने के विशेष तकनीक को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह क्रमिक अधिगम सामग्री बच्चों को तेज गति से पढ़ने में मदद करेगी।

17

चटनी

कक्षा–तीसरी

क्रमिक अधिगम सामग्री

भक्कू बहुत भुलक्कड़ था। एक दिन वह अपनी मौसी के घर गया। उसकी मौसी ने उसे लहसुन,मिर्ची की चटनी और बोरे बासी खिलाई। भक्कू ने कहा–''वाह मौसी, यह तो बहुत स्वादिष्ट है। इसे कहते क्या है?''
मौसी ने बताया–''बेटा, इसे चटनी कहते हैं।''

मम्मी ने अब जोर से कहा–''क्या च–च–च। ज्यादा जिद की तो मार–मार कर चटनी बना दूँगी। भक्कू खुशी से उछलते हुए बोला–''अरे वाह! मम्मी, यही तो मुझे खानी है, चटनी।''

वह घर पहुँचा। मम्मी से कहा–''मम्मी मेरे लिए च–च–च..... बना दो।''
मम्मी ने कहा–''क्या च–च–च बेटा। मैं चीला बना दूँ क्या?''
भक्कू ने कहा–''नहीं,नहीं मम्मी, च–च–च...।''

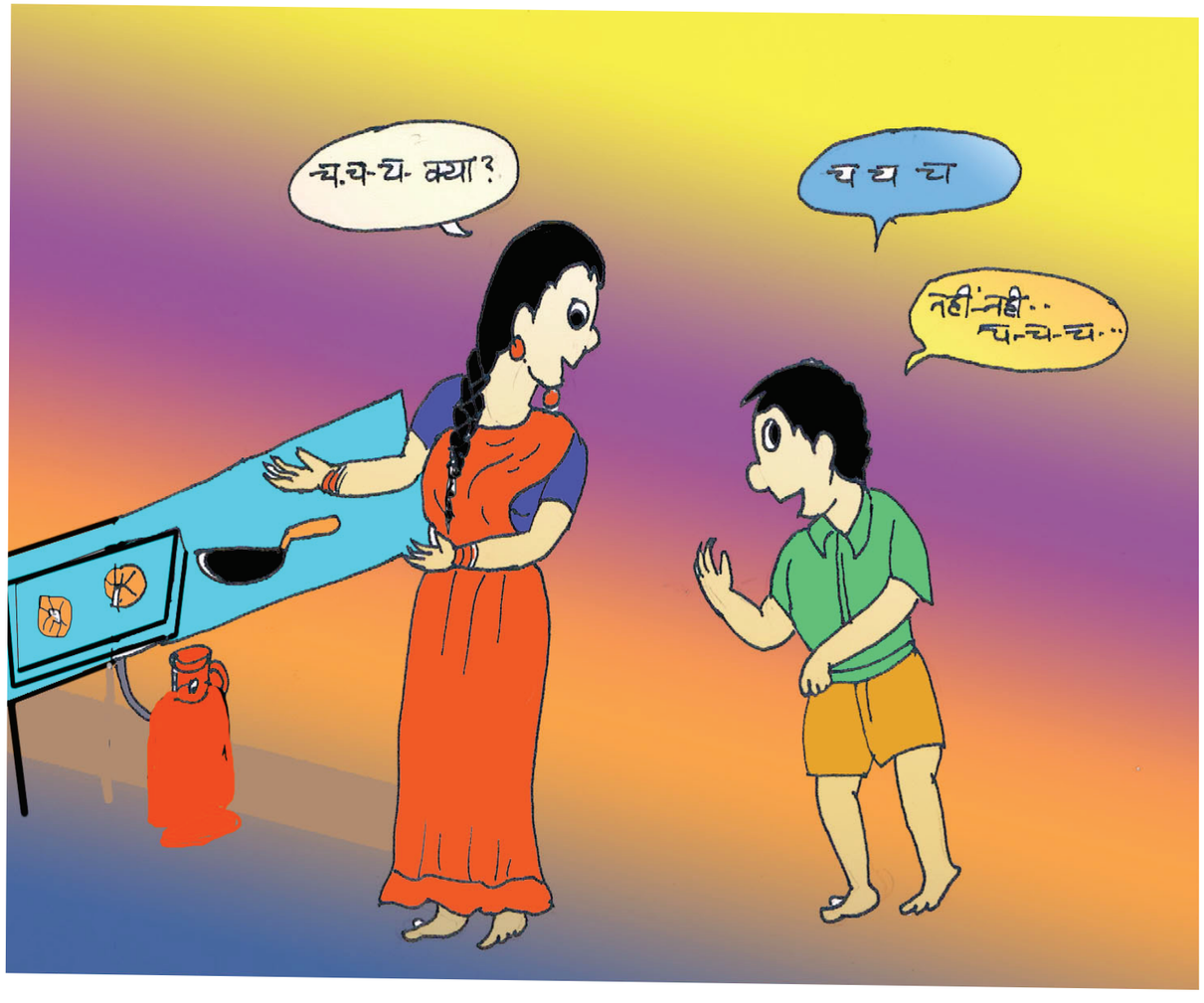

भक्कू ने सोचा–''मम्मी से कहूँगा, ऐसी ही चटनी बनाकर मुझे खिलाए।''

चटनी का नाम भूल न जाऊँ, यह सोचकर वह रास्ते भर 'चटनी खाऊँ', 'चटनी खाऊँ' बोलते हुए जा रहा था।

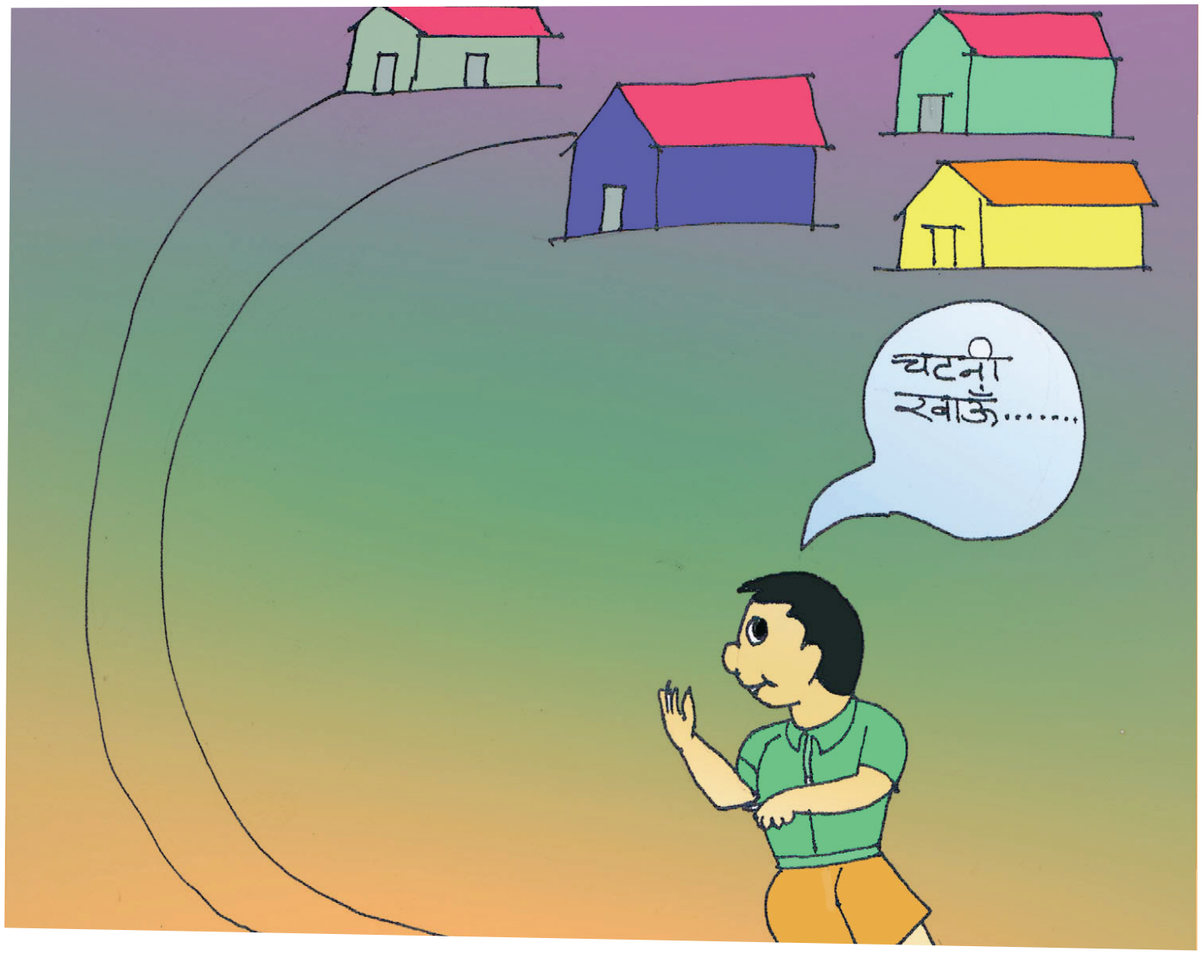

रास्ते में उसे फुतरू मिला। उसने पूछा–'यार भक्कू, कहाँ गया था?'
''मौसी के घर'' भक्कू ने जवाब दिया। अब वह भूल गया कि उसने मौसी के घर क्या खाया था।